Seventeenth Loksabha

an>

Title: Regarding prevailing law and order situation in the country especially in Uttar Pradesh -laid.

श्री श्याम सिंह यादव (जौनपुर): पिछले लोक सभा चुनाव के बाद से जौनपुर जिले में क्या पूरे प्रदेश में ही ताबड़-तोड़, बेरोक-टोक तथा बे-खौफ कत्ल का दौर शुरू हो चुका है । यहाँ तक कि एक ही दिन में यादव जाति के 25 लोगों की हत्याएँ हुई । जौनपुर जनपद में कई हत्याएँ हुईं जिसमें एक सामाजिक कार्यकर्ता लाल जी यादव ग्राम उरली की हत्या सरेआम दिन-दहाड़े कर दी गई । उस हत्या में जो सस्पेक्ट था और जिस व्यक्ति ने लाल जी यादव को उस स्थान पर बुलाकर मरवाया उसको पुलिस ने पूछताछ तक के लिए नहीं बुलाया और वह सरेआम शहर में घूमता रहा । हत्यारे को पकड़ने की तो दूर जो सस्पेक्ट था, उसको भी पुलिस पकड़ने में पन्द्रह दिन असफल रही । डेढ़ महीने बाद तक भी हत्यारों को पकड़ा नहीं जा सका है । इसी तरह अन्य जो हत्याएँ हुई हैं, पुलिस द्वारा कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की गई है ।

कुछ खास जाति के बाहुबली लोग दलितों, पिछड़ों और अल्पसंख्यकों को अपना निशाना बनाकर अपनी इस शंका के आधार पर कि उन्होंने पिछले चुनाव में सत्ताधारी पार्टी को वोट नहीं दिया है उनको मारपीट कर उनके हाथ-पैर तोड़ देते हैं, उनके घर जला देते हैं, उनकी बहु-बेटियों की बेईज्जती करते हैं और उनको तरह-तरह से प्रताड़ित करते हैं । इस तरह की एक नहीं, चुनाव के बाद जनपद जौनपुर में सैकड़ों घटनाएं हो गई हैं और पुलिस का रवैया हमेशा बे-सहारों के साथ न देकर प्रताड़ित करने वालों का साथ देने का रहा है और तो और एक नया चलन हो गया है कि शोषितों, दलितों एवं अल्पसंख्यकों पर जुल्म ढहाने के बाद उनके ऊपर फर्जी एफ.आई.आर. लाद दी जाती है, जिससे बचने के लिए उनपर समझौते करने या अपना केस वापस लेने एवं मामले को रफ-दफा करने का दबाव बनाया जाता है ।

मेरी ये गुजारिश है कि उत्तर प्रदेश सरकार को सख्त निर्देश दें कि चुनाव के बाद दलितों, पिछड़ों एवं अल्पसंख्यकों के ऊपर जितनी भी वारदात हुई हैं उन अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही कर जौनपुर का जिला प्रशासन सरकार को सूचित करे ।